बाहें पकड़ ले बाबा

बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया,
ना कोई काम आया,
ना कोई काम आया,
बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया....

तेरी कृपा का डंका,
कलयुग में बज रहा है,
तेरे दर जो रोता आया,
आकर वो हँस रहा है,
मुझको भी तू हंसा दे,
मुझको भी तू हंसा दे,
दुनिया ने है रुलाया,
ना कोई काम आया,
ना कोई काम आया,
बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया...

मुझको पता है क़ाबिल,
नहीं हूँ मैं तेरे दर के,
पर ना चला कही जो,
चल जाता तेरे दर पे,
मुझको भी तू चला दे,
मुझको भी तू चला दे,
दुनिया ने है गिराया,
ना कोई काम आया,
ना कोई काम आया,
बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया....

तेरे प्रेमियों ने मुझको,
तेरे बारे में बताया,
मर सा गया था मैं तो,
विश्वास है दिलाया,
जिसने किया भरोसा,
जिसने किया भरोसा,
उसके लिए तू आया,
ना कोई काम आया,
ना कोई काम आया,
बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया....

बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया,
ना कोई काम आया,
ना कोई काम आया,
बाहें पकड़ ले बाबा,
मैं हार कर हूँ आया…

स्वर : संजय मित्तल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27801/title/baahen-pakad-le-baba

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |